

संकर बाजरा (एच.एच.बी-94) के विभिन्न उपज लक्ष्यों के लिए मृदा परीक्षण के आधार पर पोषक तत्वों की मात्राओं की सिफारिशें

संकर बाजरा की किस्म एच.एच.बी-94 पर किए गए परीक्षणों के आधार पर उपज के विभिन्न लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु उर्वरकों की मात्रा जानने के लिए निम्नलिखित सूत्र विकसित किए गए हैं :

नाइट्रोजन की मात्रा = $10 \times$ उपज लक्ष्य (क्वि/है.) $- 1.43 \times$ मृदा में उपलब्ध नाइट्रोजन (कि.ग्रा./है.)

पी₂ओ₅ (फास्फोरस) की मात्रा = $3.75 \times$ उपज लक्ष्य (क्वि/है.) $- 4.46 \times$ मृदा में उपलब्ध फास्फोरस (कि.ग्रा./है.)

किसानों की सुविधा के लिए विभिन्न मृदा परीक्षण मात्राओं के आधार पर पोषक तत्वों की प्रयोग की जाने वाली मात्राएं विभिन्न उपज लक्ष्यों के लिए तालिका में दी गई है :

तालिका : संकर बाजरा (एच.एच.बी. 94) के विभिन्न उपज लक्ष्यों के लिए मृदा परीक्षण के आधार पर पोषक तत्वों की मात्राओं की सिफारिशें

मृदा में उपलब्ध नाइट्रोजन (कि.ग्रा./है.)	नाइट्रोजन की मात्रा (कि.ग्रा./है.)		मृदा में उपलब्ध फास्फोरस (कि.ग्रा./है.)	पी ₂ ओ ₅ (फास्फोरस) की मात्रा कि.ग्रा./है.)	
	उपज लक्ष्य (क्विंटल/है.)	उपज लक्ष्य (क्विंटल/है.)		उपज लक्ष्य (क्विंटल/है.)	उपज लक्ष्य (क्विंटल/है.)
	25	30		25	30
80	135	185	4	76	95
90	121	171	6	67	86
100	107	157	8	58	77
110	93	143	10	49	68
120	78	128	12	40	59
140	50	100	14	31	50
160	21	71	16	22	41
180	0	43	20	5	23
200	0	14	24	0	5

ifjf'k"V&12

œhZ&EiKsIVakusch.fof/k

vkSj blkmi;ksx

आज के सघन खेती के युग में भूमि की उपजाऊ शक्ति बनाए रखने के लिए समन्वित-तत्व प्रबन्धन पर जोर दिया जा रहा है जिसके अन्तर्गत प्राकृतिक खादों का प्रयोग बढ़ रहा है। इन प्राकृतिक खादों में गोबर की खाद, कम्पोस्ट और हरी खाद मुख्य हैं। ये खाद मुख्य तत्वों के साथ-साथ गौण तत्वों से भी भरपूर होती है। गोबर का प्रयोग ईंधन के रूप (70%) में होने के कारण, इससे बनी खाद कम मात्रा में उपलब्ध होती है। हरी खाद तथा अन्य खाद भी कम मात्रा में प्रयोग होती है। इसलिए जैविक पदार्थ का प्रयोग बढ़ाने के लिए खाद बनाने का कम्पोस्ट का तरीका अपनाना चाहिए।

कम्पोस्ट बनाने के लिए फसलों के अवशेष, पशुशाला का कूड़ा-कर्कट, गांव व शहरी कूड़ा-कर्कट आदि को गड्ढे में गलाया-सड़ाया जाता है। इस प्रक्रिया में 5-6 महीने का समय लगता है और पोषक तत्वों की हानि भी होती है। पिछले कुछ सालों से कम्पोस्ट बनाने की एक नई विधि विकसित की गई है जिसे कम्पोस्ट बनाने के लिए केंचुए द्वारा कम्पोस्ट बनाना कहा जाता है व तैयार कम्पोस्ट को वर्मी-कम्पोस्ट कहते हैं। चौ. च. सिं. हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग ने यह विधि हरियाणा की परिस्थितियों के अनुकूल विकसित की है।

vk'o';dlkexh

- फसल अवशेष व कूड़ा-कर्कट –60 प्रतिशत
- गोबर (20-25 दिन पुराना या ताजा) – 30 प्रतिशत
- खेत की मिट्टी – 10 प्रतिशत
- ढकने के लिए पुरानी बोरी या कड़बी
- पानी
- छाया (छप्पर या पेड़ के नीचे)

218

केंचुओं का उपयोग

1. **मेंढ में बनाना** : वर्मी-कम्पोस्ट बनाने की यह सबसे अच्छी विधि है। इस विधि में अच्छा वायु संचार और पानी लगाना तथा अच्छी देखभाल होने के कारण केंचुए की कार्यक्षमता बढ़ जाती है और कम्पोस्ट जल्दी बन कर तैयार हो जाती है। इस विधि में मेंढ की लम्बाई, चौड़ाई और ऊंचाई निम्न प्रकार रखते हैं :

लम्बाई – आवश्यकतानुसार

चौड़ाई – 90 सें.मी.

ऊंचाई – 60 सें.मी.

2. **गड्ढे में बनाना** : बहुत अधिक गर्मी या सर्दी के मौसम में केंचुओं को विपरीत अवस्थाओं से बचाने के लिए वर्मी-कम्पोस्ट गड्ढे में बनाई जा सकती है। गड्ढे की लम्बाई, चौड़ाई और गहराई निम्न प्रकार रखते हैं :

लम्बाई – आवश्यकतानुसार

चौड़ाई – 90 सें.मी.

गहराई – 60 सें.मी.

कम्पोस्ट

कम्पोस्ट बनाने की दोनों विधियों में विभिन्न सामग्री का प्रयोग निम्न प्रकार से किया जाता है :

1. सबसे नीचे 12–15 सें.मी. मोटी कड़बी या सरसों या अन्य भूसे की परत लगाते हैं।
2. कड़बी की परत के ऊपर 10–12 सें.मी. मोटी गोबर की परत लगाई जाती है।
3. गोबर की परत के ऊपर 30–45 सें.मी. मोटी फसल अवशेष या कूड़ा-कर्कट की परत लगाते हैं।
4. इसके ऊपर 3–4 सें.मी. मोटी मिट्टी की परत लगाई जाती है। यह मिट्टी किसी खेत से या जहां वर्मी-कम्पोस्ट पहले से बनाई जा रही हो उस स्थान की मिट्टी लेकर प्रयोग की जा सकती है।
5. सबसे ऊपर 5–6 सें.मी. मोटी गोबर की परत लगाई जाती है।
6. ऊपरलिखित विधि से बनाई गई मेंढ या गड्ढे में केंचुए लगा दिये जाते हैं। केंचुओं की संख्या 400–500 प्रति घन मीटर या 150–200 प्रति क्विंटल सामग्री

की दर से लगाते हैं। अगर सामग्री की परत उसी स्थान पर लगाई गई है जहां पहले से वर्मी-कम्पोस्ट बनाई जा रही हो और वहां केंचुए पहले से ही अच्छी संख्या में उपस्थित हैं, उस अवस्था में अलग से केंचुए लगाने की आवश्यकता नहीं होती है।

7. केंचुए लगाने के बाद मेंढ या गड्ढे में डाली सामग्री को पुरानी बोरी या कड़बी की परत से अच्छी तरह से ढक देते हैं। इससे केंचुओं का धूप से बचाव होता है। केंचुए हमेशा अंधेरे में काम करते हैं इसलिए कम्पोस्ट की सामग्री को अच्छी तरह ढकना आवश्यक है।
8. केंचुओं को उचित प्रकार से काम करने के लिए अच्छी नमी की आवश्यकता होती है। नमी की मात्रा सामग्री में 75 प्रतिशत जल-धारण शक्ति के लगभग होनी आवश्यक है। इस नमी को बनाए रखने के लिए गर्मियों में प्रतिदिन 2-3 बार, सर्दियों में एक बार तथा बरसात के मौसम में आवश्यकतानुसार पानी का छिड़काव करना चाहिए। पानी की मात्रा इतनी होनी चाहिए कि सामग्री की निचली परत भी अच्छी तरह से गीली हो जाये। शुरू के दिनों में पानी की अधिक मात्रा में आवश्यकता होती है, जो धीरे-धीरे कम कर देनी चाहिए। यह ध्यान कर लेना चाहिए कि सामग्री ऊपर से नीचे तक गीली हो। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि पानी की मात्रा इतनी अधिक न हो जिससे कि सामग्री में वायु संचार में बाधा उत्पन्न हो। इससे केंचुओं की कार्यक्षमता में विपरीत प्रभाव पड़ता है। गर्मी के दिनों में पानी सुबह, दोपहर और शाम को तीन बार लगाना आवश्यक है जबकि सर्दियों में पानी एक बार दिन में किसी भी समय लगा सकते हैं। बरसात के मौसम में अगर ऊपर की परत सूखी दिखाई देती है तो पानी लगाना आवश्यक होता है। पानी लगाने की अच्छी विधि यह है कि किसी प्लास्टिक पाइप को पानी के स्रोत से जोड़कर पानी का छिड़काव करना चाहिए। अगर थोड़ी मात्रा में कम्पोस्ट बनाई जा रही है तो फव्वारे से पानी का छिड़काव करना चाहिए। वर्मी-कम्पोस्ट व्यवसायी उद्योग के रूप में बनाया जा रहा हो तो शेड (shade) में ऊपर फव्वारा लगाया जा सकता है इससे पानी का छिड़काव आसान हो जाता है।
9. कम्पोस्ट बनाने के स्थान के चारों ओर गर्मियों में ढँचा या सनई की हरी पट्टी लगानी चाहिए। इस पट्टी की चौड़ाई 2-3 फुट रखनी चाहिए। अगर कम्पोस्ट छायादार स्थान पर बनाई जा रही हो तब भी हरी पट्टी लगाने से कम्पोस्ट के स्थान पर तापक्रम नीचे रखा जा सकता है जिससे केंचुए अच्छी तरह काम करते हैं।

10. सर्दियों में तापक्रम को उचित बनाए रखने के लिए 8–10 दिन में एक बार ताजे गोबर की 2–3 सें.मी. परत कम्पोस्टिंग सामग्री पर लगानी चाहिए। ताजे गोबर के प्रयोग से तापक्रम ऊंचा बना रहता है।
11. बरसात के दिनों में कम्पोस्ट ऊंचे स्थान पर बनानी चाहिए और कम्पोस्ट बनाने के स्थान में जल–निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। पानी के भरने से केंचुए दूर चले जाते हैं जिससे कम्पोस्ट बनाने में बाधा आ सकती है। इसलिए कम्पोस्ट के स्थान पर पानी की निकासी एक दम कर देनी चाहिए।
12. वर्मी–कम्पोस्ट बनाने के लिए उचित तापक्रम 28–35 डिग्री सें.ग्रे. होता है।

अनुसंधान के लिए आवश्यक

- नत्रजन – 1–2.25 प्रतिशत
- फास्फोरस – 1–1.5 प्रतिशत
- पोटाश – 2–3 प्रतिशत

कम्पोस्ट बनाने के लिए

- इसके प्रयोग से मृदा में जैविक पदार्थ की मात्रा में वृद्धि होती है।
- आवश्यक तत्वों की संतुलित मात्रा में उपलब्धि होती है।
- मृदा व जल का संरक्षण अधिक होता है।
- पौधों की जड़ों के लिए उचित वातावरण बनता है व इनकी वृद्धि अच्छी होती है।
- फार्म अवशेष का सदुपयोग होता है।
- पशुशाला के कूड़े–कर्कट का 'उपयोगी कम्पोस्ट' बनाने में प्रयोग होता है।
- नगर पालिका के कूड़े–कर्कट का उचित प्रयोग होता है।
- गंदगी में कमी होती है तथा पर्यावरण की सुरक्षा होती है।
- यह एक प्रदूषणरहित प्रक्रिया है।
- यह एक अच्छा व्यवसाय है तथा रोजगार बढ़ाने में सहायक है।

कम्पोस्ट बनाने के लिए

- वर्मी–कम्पोस्ट छाया में बनाएं।
- वर्मी–कम्पोस्ट बनाने के लिए ऐसे स्थान को चुनें जहां पानी जमा न होता हो।

ifjf'k"V&13

gfj;k.kk esa 2009 dheq[; [kjhQ Qlyksa ds vk; & 0; ; dk fooj.k

खेती के व्यावसायीकरण के परिणामस्वरूप किसानों का व्यय बढ़ता जा रहा है तथा वे खेती पर व्यय तथा उससे होने वाली आय एवं शुद्ध लाभ के प्रति अत्यन्त जागरूक हो गये हैं। कृषि अनुसंधान कर्ता, विस्तार कार्यकर्ता, तथा नीति निर्धारक भी कृषि कार्यों में उपयोग होने वाले विभिन्न आदानों पर किसानों के खर्च के प्रति चिन्तनशील हैं। इसीलिए आय व प्रति एकड़ व्यय का अनुमान लगाना अत्यन्त महत्वपूर्ण हो गया है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2009 में हरियाणा प्रान्त के विभिन्न जिलों में उगाई गई खरीफ फसलों के आय-व्यय का विस्तृत विवरण तैयार करने का प्रयत्न किया गया है। चार जिलों में लगे जिला विस्तार विशेषज्ञ (फार्म प्रबन्ध) तथा प्रान्तीय स्तर के विस्तार विशेषज्ञों (फार्म प्रबन्ध) ने प्रत्येक जिले से 40 किसानों से प्राप्त आंकड़ों का संग्रह तथा विश्लेषण करके आय-व्यय का ब्योरा सुव्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत किया है।

इसके लिये प्रत्येक जिले के किसानों को छोटे, मध्यम तथा बड़े कृषकों के तीन समान क्षेत्रफल में विभाजित किया गया। प्रत्येक जिले को कृषिगत जलवायु पर आधारित दो या तीन खण्डों में बांट दिया गया तथा प्रत्येक खण्ड से एक गांव चुना गया। फिर प्रत्येक आकार के समूह में से जोतों की संख्या के आधार पर कुल 40 कृषक, जिले के चुने हुए गांवों से चुन लिये गये। जिनसे सर्वेक्षण विधि के द्वारा उनकी फसलों का व्यय तथा आय की सूचना एकत्रित की गई। जिस फसल को कम से कम एक-चौथाई किसान उगाते हैं उन्हीं फसलों का आर्थिक विश्लेषण किया गया है तथा यहां केवल हरियाणा प्रांत स्तर के औसतन आंकड़े ही प्रस्तुत किये गये हैं।

कृषि साधनों पर बाजार से खरीदने का वास्तविक खर्च तथा घर के संसाधनों का प्रचलित स्थानीय मूल्यों के आधार पर व्यय आंका गया है। कार्यकारी पूंजी पर फसल के आधे समय का 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज लगाया गया है। कुल व्यय का 10 प्रतिशत प्रबन्ध भत्ता तथा इतना ही जोखिम भत्ता शामिल किया गया है। परिवहन का भी वास्तविक खर्च जोड़ा गया है।

फसल की कटाई के तीन महीने बाद तक के औसतन मूल्य से उत्पादन को गुणा करके कुल आय निकाली गई है। कुल व्यय को मुख्य उत्पादन से भाग करके व्यय प्रति किंवल (गौण उत्पादन के बिना) निकाला गया है। यदि व्यय प्रति किंवल गौण उत्पादन सहित निकालना है तो कुल व्यय में से गौण उत्पादन का व्यय उसी अनुपात में घटा देते हैं जिस अनुपात में इसका कुल आय में हिस्सा है। बकाया व्यय को मुख्य उत्पादन से भाग करके व्यय किंवल (गौण उत्पादन के साथ) निकल आता है।

नोट :-(क) फसल के अधीन क्षेत्रफल को वजन मान कर प्रदेश के औसतन आंकड़े निकाले गए हैं।

हरियाणा में आदान/उत्पादन मूल्य (खरीफ 2009)

क्रमांक	वस्तुएं	राज्य (औसत)
(क)	बीज (रु./किंवल)	
1.	धान (बौना)	2000
2.	धान (सुपर फाइन)	5700
3.	धान (बासमती)	4500
4.	कपास (बीटी)/450 ग्रा.	750-950
5.	बाजरा (संकर)	4200
6.	ग्वार	2300
7.	ज्वार	2900-3200
8.	अरहर	3200
(ख)	खाद (रु./किंव.)	
1.	यूरिया	483
2.	डी. ए. पी.	935
3.	जिंक/सल्फेट	2200-2800
4.	एफ वाई एम	15
(ग)	दवाइयाँ/पैस्टीसाइडस/फंगीसाइडस/वीडीसाइडस (रु./लीटर/कि. ग्राम)	
1.	ब्युटाक्लोर	= रु. 180/लीटर
2.	एमीसान	= रु. 60/100 ग्राम
3.	क्लोरपाइरीफास	= रु. 180/लीटर
4.	कॉन्फिडोर	= रु. 1200-1600/ली.

क्रमांक	वस्तुएं	राज्य (औसत)
(घ) भाड़ा दर		
1.	मानव दिवस (रु. प्रतिदिन)	134-160
2.	बैल श्रम (रु. प्रतिदिन)	225-260
3.	ट्रैक्टर घण्टे (रु. प्रति एकड़)	256-293
4.	ट्यूबवैल (सिंचाई) (रु. प्रति एकड़)	
	(क) विद्युतीकरण	220-293
	(ख) डीजल	362-430
मुख्य उत्पादन (रु./क्विंटल)		
1.	धान (बौना)	980
2.	धान (सुपर फाइन)	1996
3.	धान (बासमती)	2840
4.	कपास (बीटी)	3120
5.	बाजरा	838
6.	ग्वार	2378
7.	ज्वार	75
8.	अरहर	4007
(ख) गौण उत्पादन (रु./एकड़)		
1.	धान	791
2.	कपास	789
3.	बाजरा (रु. प्रति क्विंटल)	279
4.	ग्वार (रु. प्रति क्विंटल)	194
5.	अरहर	2354

राज्य (औसत)

क्रम संख्या	वस्तुएं	धान (बौनी) (कुरुक्षेत्र)			धान (सुपर फाइन)			धान (बासमती) (कुरुक्षेत्र)		
		मात्रा	कीमत	प्रतिशत	मात्रा	कीमत	प्रतिशत	मात्रा	कीमत	प्रतिशत
1.	जमीन की तैयारी	5.9	1946	(7.17)	5.01	1692	(7.12)	5.7	1880	(6.90)
2.	रौंणी सिंचाई		213	(0.78)		280	(1.88)		218	(0.80)
3.	बिजाई		1210	(4.46)		1101	(4.63)		1260	(4.62)
4.	डालें बनाना		66	(0.24)		52	(0.22)		61	(0.22)
5.	बीज (कि.ग्रा.) (नर्सरी उगाने सहित)	5.0	330	(1.22)	5.28	625	(2.63)	5.0	346	(1.27)
6.	बीज का उपचार		45	(0.17)		26	(0.11)		49	(0.18)
7.	देसी खाद (विं.व.)	28.0	420	(1.55)	31.8	475	(2.00)	—	—	—
8.	उर्वरक तत्व									
	(क) नत्रजन	68.4	718	(2.65)	52.23	548	(2.31)	38.7	407	(1.49)
	(ख) फास्फोरस	20.1	326	(1.20)	22.44	364	(1.53)	22.1	358	(1.31)
	(ग) पोटेश	8.2	62	(0.23)	0.50	4	(0.02)	—	—	—
	(घ) जिंक सल्फेट	9.5	225	(0.83)	7.98	180	(0.76)	9.7	230	(0.84)
	कुल उर्वरक खर्च		1931	(4.90)		1096	(4.61)		995	(3.65)
9.	खाद डालना		65	(0.24)		41	(0.17)		61	(0.22)

क्रम संख्या	वस्तुएं	धान (बौनी) (कुरुक्षेत्र)			धान (सुपर फाइन)			धान (बासमती) (कुरुक्षेत्र)		
		मात्रा	कीमत	प्रतिशत	मात्रा	कीमत	प्रतिशत	मात्रा	कीमत	प्रतिशत
10.	सिंचाई	13.2	2485	(9.16)	7.78	2180	(9.18)	11.4	1663	(6.10)
11.	नलाई-गोडाइ									
	(क) रासायनिक		330	(1.22)		289	(1.22)		324	(1.19)
	(ख) श्रमिक		92	(0.34)		159	(0.67)		88	(0.32)
12.	पौध संरक्षण		608	(2.24)		701	(2.95)		890	(3.27)
13.	कटाई/चुगाई		800	(2.95)		1863	(7.84)		2185	(8.02)
14.	गहाई/बरसाई		—	—		—	—		—	—
15.	अन्य		135	(0.50)		85	(0.36)		190	(0.70)
16.	कार्यकारी पूंजी पर ब्याज		453	(1.67)		480	(2.02)		459	(1.69)
17.	यातायात व्यय		337	(1.24)		289	(1.22)		235	(0.86)
18.	चलित व्यय		10866	(40.04)		11432	(48.13)		10904	(40.02)
19.	प्रबन्ध खर्च		1087	(4.00)		1143	(4.81)		1090	(4.00)
20.	जोखिम भत्ता		1087	(4.00)		1143	(4.81)		1090	(4.00)
21.	जमीन का किराया		14100	(51.95)		10035	(42.25)		14160	(51.97)
22.	कुल व्यय		27140	(100.0)		23754	(100.0)		27245	(100.0)

क्रम संख्या	वस्तुएं	धान (बौनी) (कुरुक्षेत्र)			धान (सुपर फाइन)			धान (बासमती) (कुरुक्षेत्र)		
		मात्रा	कीमत	प्रतिशत	मात्रा	कीमत	प्रतिशत	मात्रा	कीमत	प्रतिशत
23.	उत्पादन (क्विंटल)									
	(क) मुख्य उपज	32.1	31458		15.49	30925	—	10.8	30672	
	(ख) गौण उत्पादन	—	—		—	582			1000	
24.	कुल आय		31458			31508			31672	
25.	चलित व्यय पर आय		20592			20075			20768	
26.	शुद्ध आय		4318			7754			4427	
27.	उत्पादन व्यय / क्विं									
	(क) बिना गौण उत्पादन		845			1533			2523	
	(ख) गौण उत्पादन के साथ		—			1505			2443	
28.	किसान संख्या	28			119			19		
29.	क्षेत्रफल (एकड़)	126.6			522.70			117.5		
30.	श्रम									
	(क) मानव दिवस	37			43.81			49		
	(ख) बैल दिवस	—			—			—		
	(ग) ट्रैक्टर घण्टे	6.23			6.23			6.18		

राज्य (औसत)

क्रम संख्या	वस्तुएं	कपास (बी टी)			बाजरा (संकर)		
		मात्रा	कीमत	प्रतिशत	मात्रा	कीमत	प्रतिशत
1.	जमीन की तैयारी	3.2	992	(5.39)	2.81	781	(8.89)
2.	रौंणी सिंचाई		366	(2.21)		76	(0.86)
3.	बिजाई		254	(1.54)		274	(3.12)
4.	डोलें बनाना		50	(0.30)		16	(0.18)
5.	बीज (कि. ग्राम)	0.81	1365	(8.25)	1.73	73	(0.83)
6.	बीज का उपचार		—	—		—	—
7.	देसी खाद (क्वि.)	6.71	101	(0.61)	11.25	169	(1.92)
8.	उर्वरक तत्व						
	(क) नत्रजन	32.76	346	(2.09)	11.99	126	(1.43)
	(ख) फास्फोरस	22.16	359	(2.17)	3.94	57	0.65
	(ग) पोटैश	—	—	—	—	—	—
	(घ) जिंक सल्फेट	2.71	74	0.45	—	—	—
	कुल उर्वरक खर्च		779	(4.71)		183	(2.08)
9.	खाद डालना		84	(0.51)		52	(0.60)
10.	सिंचाई	3.94	1252	(7.57)	0.97	348	(3.96)
11.	नलाई-गोडाई						
	(क) रासायनिक		—	—		—	—
	(ख) श्रमिक		1674	(10.12)		442	(5.02)
12.	पौध संरक्षण		758	(4.59)		—	—
13.	कटाई/चुगाई		2175	(13.15)		992	(11.29)
14.	गहाई/बरसाई		—	—		532	(6.06)
15.	अन्य		74	(0.45)		57	(0.65)
16.	कार्यकारी पूंजी पर ब्याज		442	(2.67)		180	(2.05)
17.	यातायात व्यय		387	(2.34)		279	(3.17)
18.	चलित व्यय		10653	(64.43)		4454	(50.68)
19.	प्रबन्ध खर्च		1065	(6.44)		445	(5.07)
20.	जोखिम भत्ता		1065	(6.44)		445	(5.07)

क्रम संख्या	वस्तुएं	कपास (बी टी)			बाजरा (संकर)		
		मात्रा	कीमत	प्रतिशत	मात्रा	कीमत	प्रतिशत
21.	जमीन का किराया		3751	(22.69)	3444	(39.19)	
22.	कुल व्यय		16535	(100.0)	8789	(100.0)	
23.	उत्पादन (क्विंटल)						
	(क) मुख्य उपज	7.0	21838		6.88	5768	
	(ख) गौण उत्पादन	—	789		9.82	2743	
24.	कुल आय		22627		8511		
25.	चलित व्यय पर आय		11974		4057		
26.	शुद्ध आय		6092		-278		
27.	उत्पादन व्यय/क्वि						
	(क) बिना गौण उत्पादन		2362		1278		
	(ख) गौण उत्पादन के साथ		2280		866		
28.	किसान संख्या	71			188		
29.	क्षेत्रफल (एकड़)	309.0			459.50		
30.	श्रम						
	(क) मानव दिवस	36.03			28.29		
	(ख) बैल दिवस	0.72			0.18		
	(ग) ट्रैक्टर घण्टे	4.02			3.87		

क्रम संख्या	वस्तुएं	ज्वार (चारा)			अरहर		
		मात्रा	कीमत	प्रतिशत	मात्रा	कीमत	प्रतिशत
1.	जमीन की तैयारी	2.96	877	(6.73)	2.73	764	(8.27)
2.	रौंणी सिंचाई		250	(1.92)		294	(3.18)
3.	बिजाई		261	(2.0)		279	(3.02)
4.	डोलें बनाना		39	(0.30)		19	(0.21)
5.	बीज (कि.ग्राम)	21.12	654	(5.02)	5.39	172	(1.86)
6.	बीज का उपचार	—	—	—	—	—	—
7.	देसी खाद (क्विं.)	8.99	134	(1.03)	3.45	52	(0.56)
8.	उर्वरक तत्व						
	(क) नत्रजन	25.01	263	(2.02)	4.07	43	(0.46)
	(ख) फास्फोरस	1.52	25	(0.19)	7.89	128	(1.38)
	(ग) पोटाश	—	—	—	—	—	—
	(घ) जिंक सल्फेट	—	—	—	—	—	—
	कुल उर्वरक खर्च		287	(2.21)		170	(1.84)
9.	खाद डालना		32	(0.41)		34	(0.37)
10.	सिंचाई	2.86	711	(5.46)	1.23	371	(4.02)
11.	नलाई-गोडाई	—	—	—	—	—	—
	(क) रसायनिक	—	—	—	—	—	—
	(ख) श्रमिक	—	—	—		327	(3.54)
12.	पौध संरक्षण	—	—	—		—	—
13.	कटाई/चुगाई		1123	(8.62)		689	(7.46)
14.	गहाई/बरसाई/बंधाई	—	—	—		511	(5.53)
15.	अन्य		36	(0.28)		52	(0.56)
16.	कार्यकारी पूंजी पर ब्याज		198	(1.52)		168	(1.82)
17.	यातायात व्यय		687	(5.27)		238	(2.56)
18.	चलित व्यय		5290	(40.60)		4140	(44.84)
19.	प्रबन्ध खर्च		529	(4.06)		414	(4.48)
20.	जोखिम भत्ता		529	(4.06)		414	(4.48)
21.	जमीन का किराया		6680	(51.28)		4266	(46.20)
22.	कुल व्यय		13080	(100.00)		9234	(100.0)
23.	उत्पादन (क्विंटल)						
	(क) मुख्य उपज	180.06	14097		3.7	14827	
	(ख) गौण उत्पादन	—	—			2354	
24.	कुल आय		14097			17181	

क्रम संख्या	वस्तुएं	ज्वार (चारा)			अरहर		
		मात्रा	कीमत	प्रतिशत	मात्रा	कीमत	प्रतिशत
25.	चलित व्यय पर आय	—	8807	—	13041		
26.	शुद्ध आय	—	1069		7947		
27.	उत्पादन व्यय/किं.						
	(क) बिना गौण उत्पादन		69		2499		
	(ख) गौण उत्पादन के साथ		—		2156		
28.	किसान संख्या	270		100			
29.	क्षेत्रफल (एकड़)	380.65		141.50			
30.	श्रम						
	(क) मानव दिवस	32.78		25.32			
	(ख) बैल दिवस	0.03		—			
	(ग) ट्रैक्टर घण्टे	3.38		3.56			